



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
यौनक भास्कर	२९-११-२२	३	५-६

किसानों के हित को ध्यान में रख करें शोध का कार्य : डॉ. जीतराम

एचएयू में कौट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

भारत न्यूज़ | हिसार



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कौट विज्ञान विभाग स्थित सेटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स का समापन हो गया। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिवृत्त में पेस्टीसाइडस की विषयकता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रास्तावित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदूषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकता आधारित

एवं विषेषपूर्ण उपयोग के बारे में शोध कार्य करने का आग्रहन किया। कहा कि हमें किसानों के हितों को ध्यान में रखकर शोध करने हैं। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कौट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. एस.के. पाहुजा ने सेटर की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. एस.एस. यादव, प्रशिक्षण संयोजक डॉ. कृष्णा रेतानिया, डॉ. लोमश कुमार एवं विभिन्न कौट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जुभ२ जाति	२९. ११. २२	३	१-३

कीटनाशकों का स्वास्थ्य पर पड़ रहा दुष्प्रभाव

माईसिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सेंटर ऑफ एडवोस्ट फेकलटी ट्रेनिंग की तरफ से चल रहा 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स सोमवार को संपन्न हुआ। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने कीटनाशकों के दुष्प्रभाव की चर्चा करते हुए इसके प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

डॉ. जीतराम शर्मा ने कहा कि कीटनाशकों की अवधिकता होने पर ही एक विवेकपूर्ण उपचार करना जरूरी है। देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिवृत्ति में अत्यधिक कीटनाशकों के प्रयोग से वातावरण दूषित हो रहा है। इसका मानव स्वास्थ्य पर भी दुष्प्रभाव हो रहा है। अनुसंधान निदेशक ने वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबंधन में उन्नत



हिसार में एचएयू में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में संबोधित करते जीतराम शर्मा। तकद

तकनीकों के विकास व उनके प्रचार प्रसार पर जोर दिया। इस प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

अंत में मुख्यालिखि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. एसके पाहुजा ने सेंटर की उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीट समाचार	२९. ११. २२	७	१-२

हृषि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ़ेशर कोर्स संपन्न

हिसार, 28 नवम्बर (विरोद्ध वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सैंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्त्वावधान में 21 दिवसीय रिफ़ेशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृश्य में पेस्टीसाइड्स की विषाक्तता, अवशोष, उत्पोग आदि के कारण किसानों के सामने व्यास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदूषण सम्बन्ध स्वास्थ्य के लिए अपने खलतों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समाप्ति समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यालिंग थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइड्स के आवश्यकात् आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग वारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिदृश्य में अन्याधिक नाशजीवियों के प्रयोग से दूषित बातावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश छाला और वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन में उत्तर तकनीकों का विकास व उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यालिंग ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एम.के.पाहुजा ने सैन्टर की गतिविधियों की जानकारी दी तथा ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डा. एस.एस. यादव ने समाप्ति समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के समाप्ति अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक डा. कृष्णा रोलानिया, डा. लोम्पा कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हेता १४२	29.11.22	----	----

हकृषि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सेंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृश्य में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदुषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे।

उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकतात आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिदृश्य में

राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एस.के.पाहुजा ने सेन्टर की गतिविविधियों की जानकारी दी तथा ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की



अत्याधिक नाशजीवियों के प्रयोग से दूषित वातावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन में उन्नत तकनीकी का विकास व उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10

जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डा. एस.एस. यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक डा. कृष्णा रोलानिया, डा. लोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उआज समाज	29.11.22	-----	-----

हकूमि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सेंटर ऑफ एडवांसड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ्रैशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिवृष्टि में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वातावरण प्रदुषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समापन समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकात आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि के बदलते परिवृष्टि में अत्याधिक नाशजीवियों के प्रयोग से दृष्टिंत वातावरण और मनुष्य के स्वास्थ्य पर पड़? वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला और वैज्ञानिकों से एकीकृत नाशजीवी प्रबन्धन में उन्नत तकनीकों का विकास व उसके प्रचार प्रसार पर बल दिया। उपरोक्त प्रशिक्षण में देश के 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डा. एस.के.पाहुजा ने सेन्टर की गतिविविधियों की जानकारी दी तथा ट्रेनिंग कोर्स के अंतर्गत किए गए क्रियाकलापों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डा. एस.एस. यादव ने समापन समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
स्टडी पत्र	28.11.22	----	----

हक्की में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ़ेशर कोर्स संपन्न



सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में 21 दिवसीय रिफ़ेशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिदृष्टि में पेस्टीसाइडस की विषाक्तता, अवशेष, उपयोग आदि के कारण किसानों के सामने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित करना और नाशजीबी प्रतिरोध, वातावरण प्रदूषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समाप्त समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रशिक्षुओं से पेस्टीसाइडस के आवश्यकात आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग बारे शोध कार्य करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण में 10 राज्यों के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों से 25 वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अंत में मुख्यातिथि ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। कीट विज्ञान विभाग के अध्यक्ष एवं कोर्स निदेशक डॉ. एस.के.पाहुजा ने सैन्टर की गतिविविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. एस.एस. यादव ने समाप्त समारोह में आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण के समाप्त अवसर पर प्रशिक्षण संयोजक डॉ. कृष्णा गोलानिया, डॉ. लोमश कुमार एवं विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज समस्त हरियाणा न्यूज	28.11.22	----	----

हकूमि में कीट विज्ञान पर 21 दिवसीय रिफ़ेशर कोर्स संपन्न



समस्त हरियाणा न्यूज नाशजीवियों के प्रयोग से दूषित हिसार। चौधरी चरण सिंह वालाबरण और मनुष्य के हरियाणा चौथी विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग में स्थित सेंटर ऑफ एड्वांसड ऐकल्टी डेव्हेनिंग के तत्वावधान में 21 दिवसीय रिफ़ेशर कोर्स संपन्न हुआ। कोर्स का मुख्य उद्देश्य वैज्ञानिकों को बदलते कृषि परिवर्त्य में पेस्टीसाइडस की विधाकृता, अवशेष, उपयोग जादि के कारण किसानों के साथने वास्तविक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए, प्रोत्साहित करना और नाशजीवी प्रतिरोध, वालाबरण प्रदूषण तथा मानव स्वास्थ्य के लिए उत्पन्न खतरों जैसी समस्याओं का समाधान खोजना था। प्रशिक्षण के समाप्ति समारोह में विश्वविद्यालय के अनुसंधान विदेशक डॉ. जीत राम शर्मा मुख्यालियत थे। उन्होंने प्रशिक्षकों से पेस्टीसाइडस के आवश्यकता आधारित एवं विवेकपूर्ण उपयोग घरे शोध कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने देश और दुनिया में कृषि विभिन्न कीट वैज्ञानिक उपस्थित के बदलते परिवर्त्य में अवश्यक रहे।